भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2305

सोमवार, 15 दिसंबर, 2025/24 अग्रहायण, 1947 (शक)

रोजगार मेले

2305. श्री सतपाल ब्रह्मचारी:

श्री जय प्रकाश:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान सोनीपत और हिसार लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में आयोजित किए गए रोजगार मेलों की संख्या का ब्यौरा क्या है और प्रतिभागियों की संख्या कितनी है और उन चयनित उम्मीदवारों की कुल संख्या कितनी है जिन्होंने उन्हें दी गई नौकरियों का कार्यभार ग्रहण किया;

(ख) क्या सरकार द्वारा उक्त मेलों के बाद नियुक्त किए गए युवाओं के रोजगार, वेतन और कौशल उन्नयन की स्थिरता के संबंध में कोई आकलन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार का इन रोजगार मेलों की प्रभावशीलता में सुधार लाने के लिए और अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों की भागीदारी, कौशल आधारित जांच और प्लेसमेंट के बाद डिजिटल ट्रैक करने जैसे नए उपाय शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (ग): रोजगार मेला, युवाओं में रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सरकार की वचनबद्धता को पूरा करने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। राज्य सरकारों/मंत्रालयों/विभागों आदि द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत रोजगार मेलों का नियमित आयोजन किया जा रहा है।

पिछले तीन वर्षों के दौरान हरियाणा राज्य में (सोनीपत और हिसार लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों सहित) कुल 197 रोजगार मेले आयोजित किए गए, जिनमें 3706 अभ्यार्थियों को चयनित किया गया है।

एनसीएस पोर्टल अन्य बातों के साथ-साथ रोजगार चाहने वालों की रोजगार क्षमता, डिजिटल और करियर कौशल को बढ़ाने और युवाओं (रोजगार मेलों के बाद नियुक्त युवाओं सहित)को आवश्यक रोजगार योग्य कौशल की एक श्रृंखला से सशक्त और समर्थ बनाने के

लिए, ऑनलाइन रोजगार क्षमता वृद्धि कार्यक्रम, डिजिटल कौशल वृद्धि कार्यक्रम और स्व-गतिशील (सेल्फ-पेस) करियर कौशल कार्यक्रम आयोजित करता है। एनसीएस पोर्टल स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) के साथ एकीकृत है जिसे एक ऑनलाइन प्रशिक्षण मंच के माध्यम से रोजगार और उद्यमशीलता अवसरों हेतु व्यक्तियों की स्किलिंग, रि-स्किलिंग और अप-स्किलिंग के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन और विकसित किया गया है। एनसीएस पोर्टल को एसआईडीएच के साथ एकीकृत करने से एसआईडीएच पर रोजगार चाहने वाले कुशल व्यक्तियों के लिए एनसीएस पोर्टल का लाभ उठाने और एनसीएस के रोजगार चाहने वालों के लिए एसआईडीएच की कौशल सेवाओं का लाभ उठाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

इसके अलावा, सरकार विनिर्माण क्षेत्र पर विशेष ध्यान देते हुए, सभी क्षेत्रों में स्थायी रोज़गार सृजन, रोज़गार क्षमता और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना नामक रोज़गार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को कार्यांवित कर रही है। 99,446 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली इस योजना का उद्देश्य 2 वर्षों की अवधि में देश में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगारों के सृजन को प्रोत्साहित करना है।

इस योजना के दो भाग (भाग क और भाग ख) हैं और यह स्थायी रोजगार से जुड़े वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है।

योजना के भाग ख के तहत, नियोक्ता को प्रोत्साहन तभी मिलते हैं जब कम से कम छह महीने तक और रोजगार बना रहे।

इसी तरह, योजना के भाग क के तहत पहली बार रोजगार पाने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन तभी मिलते हैं जब वे कम से कम छह महीने तक एक ही संगठन में लगातार काम करते रहें।

प्रोत्साहन को सीधे स्थायी रोजगार से जोड़कर, यह योजना रोजगार में स्थिरता, कार्यबल का औपचारिकरण, रोजगार पाने की संभावना बढ़ाना और जल्दी नौकरी छोड़ने वालों की संख्या कम करने को बढ़ावा देती है।

इसके साथ ही, एनसीएस ने मेंटर टुगेदर के साथ एकीकरण किया है जो एक ऑनलाइन मेंटरिंग प्लेटफॉर्म है जो रोजगार ढूंढने वालों को रिटेंशन और करियर में तरक्की पाने के लिए करियर गाइडेंस और मेंटरशिप देता है।

इसके अलावा, मंत्रालय ने अपना, स्विगी, रैपिडो, जोमैटो, अमेज़ॅन, टीसीएस आईओएन, क्विकर, फाउंडइट (मॉन्स्टर) और सिग्नस उजाला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स आदि जैसे अन्य कई जाने-माने नियोक्ताओं और रिक्रूटमेंट प्लेटफॉर्म्स के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं जिसका उद्देश्य एनसीएस पोर्टल के माध्यम से नियोक्ताओं की भागीदारी को मज़बूत करना और रोजगार ढूंढने वालों के लिए रोज़गार, स्किलिंग और करियर गाइडेंस के मौके बढ़ाना है।

*****